http://krishipravahika.vitalbiotech.org/

कृषि प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका

e-ISSN: 2583 – 0430

कृषि-प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका, (2025) वर्ष 5, अंक 10, 35-36

Article ID:486

उत्तर-पूर्व के किसानों को नवाचार और विश्वास से सशक्त बनाना ''एक्ट ईस्ट'' नीति और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन से प्रेरित एम.ओ.यू.

डॉ. योगेश कुमार[1], डॉ. मुनीश कुमार[2], डॉ. सर्वेश कुमार, डॉ. कौशल कुमार[4], डॉ. हेमंत कुमार[5]

[124]भूमि संरक्षण एवं जल प्रबंधन विभाग, [5]सस्य विज्ञान विभाग

[*]अनुरूपी लेखक

डॉ. योगेश कुमार[*]

नॉर्थ ईस्टर्न रीजनल एग्रीकल्चरल मार्केटिंग कॉर्पोरेशन (NERAMAC) और प्रिसीजन ग्रो के बीच हुआ यह समझौता (MoU) भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की कृषि व्यवस्था को बदलने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह सहयोग माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के समावेशी विकास और ग्रामीण समृद्धि के विजन तथा एक्ट ईस्ट नीति की भावना पर आधारित है। प्रिसीजन ग्रो किसानों को प्रिसीजन फार्मिंग, जलवायु-संवेदनशील कृषि और डिजिटल बाजार से जोड़ने की तकनीक उपलब्ध कराएगा, वहीं NERAMAC अपने तीन दशक से अधिक के अनुभव खरीद, प्रसंस्करण और विपणन के साथ इसे सशक्त बनाएगा। यह साझेदारी उत्तर-पूर्व के किसानों की लम्बे समय से चली आ रही चुनौतियाँ जैसे बाजार की कमजोर कड़ी, अपर्याप्त फसलोत्तर प्रबंधन और आधुनिक तकनीक का अभाव को दूर करेगी। मुख्य लाभों में उत्पादकता वृद्धि, न्यायपूर्ण व्यापार प्रथाएँ, सतत् जैविक खेती, कौशल विकास और निर्यात की नई संभावनाएँ शामिल होंगी। प्रारंभिक चरण में असम, मेघालय और त्रिपुरा में पायलट परियोजनाएँ शुरू होंगी और धीरे-धीरे पूरे क्षेत्र में विस्तार होगा, जिससे उत्तर-पूर्व किसान-आधारित, तकनीक-संचालित और वैश्विक स्तर से जुड़ी कृषि प्रगति का अग्रदूत बनेगा।

गुवाहाटी, 16 सितम्बर 2025

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की कृषि को बदलने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में NERAMAC और प्रिसीजन ग्रो ने एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। यह सहयोग किसानों को नवाचार, तकनीक और विश्वास के माध्यम से सशक्त करेगा। यह कदम एक्ट ईस्ट नीति की भावना को दर्शाता है और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के समावेशी विकास, ग्रामीण समृद्धि और सतत विकास के विजन से मेल खाता है।

उद्देश्य-आधारित साझेदारी

NERAMAC (भारत सरकार का उपक्रम, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के अधीन) और प्रिसीजन ग्रो (तेजी से बढ़ती एग्री-टेक कंपनी) ने मिलकर किसानों के लिए आधुनिक तकनीक, सशक्त मूल्य श्रृंखला और विश्वसनीय बाजार पहुँच को सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र उपजाऊ भूमि, समृद्ध जैव विविधता और जैविक खेती की असीम संभावनाओं के लिए जाना जाता है, परंतु सीमित बाजार संपर्क, फसलोत्तर प्रबंधन की कमी और तकनीकी पिछड़ापन इसकी प्रगति में बाधक रहे हैं। यह साझेदारी किसानों के श्रम और उनके उत्पाद की वास्तविक कीमत के बीच की खाई को पाटेगी।

नवाचार पर आधारित

प्रिसीजन ग्रो किसानों को प्रिसीजन फार्मिंग, डेटा-आधारित फसल प्रबंधन और जलवायु-स्मार्ट कृषि से जोड़ेगा।

- मृदा और मौसम विश्लेषण,
- स्मार्ट सिंचाई व्यवस्था,
- और फसल विविधीकरण के आधुनिक उपाय किसानों को अधिक उत्पादक और जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीला बनाएंगे।

डिजिटल प्लेटफॉर्म किसानों को खरीदारों से सीधे जोड़ेंगे, बिचौलियों पर निर्भरता घटेगी और न्यायसंगत व्यापार सुनिश्चित होगा। छम्त्।ड।ब् अपने दशकों पुराने नेटवर्क के साथ इस नवाचार को भारत और विदेशों में मजबूत बाजार से जोड़ेगा।

विश्वास है आधार

तकनीक नवाचार को आगे बढ़ाती है, लेकिन अपनाने का आधार विश्वास ही होता है। NERAMAC पिछले चार दशकों से किसानों को न्यायपूर्ण खरीद और समय पर

भुगतान देकर विश्वास अर्जित करता आया है। अब प्रिसीजन ग्रो भी इसी प्रतिबद्धता के साथ इस ढांचे में शामिल हो रहा है।

यह MoU पारदर्शी मूल्य निर्धारण, समय पर भुगतान और किसानों को भरोसेमंद सहायता का आश्वासन देता है। आधुनिक प्रशिक्षण के साथ-साथ किसानों के जोखिम कम करने और आजीविका सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह केवल कॉर्पोरेट समझौता नहीं बल्कि किसानों के साथ एक सामाजिक अनुबंध है।

राष्ट्रीय विजन के अनुरूप

यह साझेदारी एक्ट ईस्ट नीति की भावना को मूर्त रूप देती है, जो कनेक्टिविटी, सहयोग और क्षेत्रीय एकीकरण पर बल देती है। इसके माध्यम से उत्तर-पूर्व भारत को जैविक और उच्च-मूल्य वाली फसलों का प्रमुख केंद्र बनाने का लक्ष्य है, जो देश और दक्षिण-पूर्व एशिया दोनों की जरूरतें पूरी करेगा।

यह समझौता प्रधानमंत्री के मंत्र ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'' की भी झलक है, जिसमें किसानों का सशक्तिकरण ग्रामीण समृद्धि और भारत की विकास यात्रा का आधार माना गया है।

किसान-केंद्रित प्रमुख परिणाम

- आधुनिक खेती और संसाधनों के बेहतर उपयोग से उत्पादकता वृद्धि।
- नैतिक व्यापार और प्रीमियम बाजार पहुँच से आय में वृद्धि।
  जैविक और पर्यावरण-अनुकूल तरीकों से सतत कृषि को बढ़ावा।
- प्रशिक्षण, कार्यशालाओं और म्गचवेनतम टपेपजे से कौशल विकास।
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से जुड़कर निर्यात की संभावनाएँ।

साझेदारी की आवाजें

NERAMAC प्रतिनिधियों ने कहाः
''यह साझेदारी हमारे मिशन में मील का पत्थर है। यह किसानों को बड़ा सपना देखने, अधिक कमाने और देश की विकास गाथा में महत्त्वपूर्ण योगदान देने में सक्षम बनाएगी।'' प्रिसीजन ग्रो ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराईः
''हम तकनीक को संवेदनशीलता के साथ जोड़ने में विश्वास रखते हैं। हमारे समाधान हर किसान तक लाभ, स्थिरता और भविष्य की तैयारी पहुँचाने के लिए बनाए गए हैं।''

आगे की राह

यह पहल असम, मेघालय और त्रिपुरा से पायलट परियोजनाओं के रूप में शुरू होगी और धीरे-धीरे पूरे उत्तर-पूर्व में लागू होगी। किसानों से लगातार प्रतिक्रिया और निगरानी लेकर रणनीतियों को और व्यवहारिक बनाया जाएगा।

दीर्घकाल में यह प्रयास उत्तर-पूर्व को दुनिया के सामने एक किसान-आधारित, तकनीक-समर्थित और विश्वास-आधारित ' कृषि विकास मॉडल के रूप में स्थापित करेगा जहाँ परंपरा और नवाचार मिलकर समृद्धि की ओर ले जाएंगे।

NERAMAC के बारे में

नॉर्थ ईस्टर्न रीजनल एग्रीकल्चरल मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NERAMAC) भारत सरकार का उपक्रम है, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (DONER) के अधीन कार्य करता है। इसकी स्थापना किसानों की सहायता के लिए की गई थी, ताकि कृषि उत्पादों की खरीद, प्रसंस्करण और विपणन को प्रोत्साहन मिल सके। अपने व्यापक नेटवर्क के माध्यम से NERAMAC किसानों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुँच दिलाता है।

प्रिसीजन ग्रो के बारे में

प्रिसीजन ग्रो एक नवाचार-प्रधान एग्री-टेक कंपनी है, जिसका उद्देश्य कृषि उत्पादकता को बढ़ाना और सतत प्रथाओं को बढ़ावा देना है। प्रिसीजन फार्मिंग, जलवायु-संवेदनशील तकनीक और डिजिटल समाधान में विशेषज्ञता के साथ यह किसानों को उन्नत उपकरण और पारदर्शी बाजार लिंक उपलब्ध कराता है। इसका लक्ष्य खेती को लाभदायक, कुशल और पर्यावरण-अनुकूल बनाना है, ताकि कृषि समुदाय दीर्घकालिक रूप से सक्षम और आत्मनिर्भर हो सके।